ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 03-01-2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-01-03 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-01-04	2025-01-05	2025-01-06	2025-01-07	2025-01-08
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	19.0	20.0	19.0	19.0	18.0
न्यूनतम तापमान(से.)	12.0	12.0	10.0	8.0	8.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	80	85	85	80
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	80	75	70	70
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	5	4	4	5
पवन दिशा (डिग्री)	340	330	130	140	340
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	3	3	4	2

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (27 दिसंबर से 02 जनवरी) में 5.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 13.5 से 25.0 डिग्री सेल्सियस और 8.0 से 13.5 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह के दौरान कुछ दिनों तक कोहरा और आकाश में बादल छाए रहे। सुबह 0712 बजे सापेक्ष आर्द्रता 73 से 95% के बीच और शाम 1412 बजे सापेक्ष आर्द्रता 57 से 86% के बीच रही। हवा की गति 1.2 से 7.4 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान में वर्षा का कोई अनुमान नहीं है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 18.0 से 20.0 डिग्री सेल्सियस और 8.0 से 12.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा। आगामी सप्ताह के दौरान शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि-मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से "मेघदूत ऐप" पर अपडेट की जाती है और बिजली गिरने की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति को दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली कम वर्षा और सामान्य से अधिक अधिकतम-न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति को इंगित करती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी ने शुष्क मौसम की भविष्यवाणी दी है, इसलिए फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए तथा अन्य कृषि कार्य निर्धारित समय पर किए जाने चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	फूल आने और फली बनने के समय आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। मसूर में, एफिड अटैक के

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	मामले में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
मसूर की दाल	फूल आने और फली बनने के समय आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए और आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। मसूर में, एफिड अटैक के मामले में अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए।
रेपसीड	माहु कीट को नियंत्रित करने के लिए, जब कीट आर्थिक सीमा स्तर (10-15 पौधों पर तने की ऊपरी शाखा में 26-28 माहु प्रति 10 सेमी ऊपरी शाखा) से ऊपर पाए जाने पर डाइमेथोएट 30 ईसी 500 मिली के दर से लगाएं या थियामेथोक्सम 25 डब्ल्यूजी 100 ग्राम के दर से 600-700 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए। परिपक्व होने पर फसल की कटाई की जानी चाहिए और फूल/फली बनने की अवस्था में सिंचाई करनी चाहिए।
सरसों	माहु कीट को नियंत्रित करने के लिए, जब कीट आर्थिक सीमा स्तर (10-15 पौधों पर तने की ऊपरी शाखा में 26-28 माहु प्रति 10 सेमी ऊपरी शाखा) से ऊपर पाए जाने पर डाइमेथोएट 30 ईसी 500 मिली के दर से लगाएं या थियामेथोक्सम 25 डब्ल्यूजी 100 ग्राम के दर से 600-700 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर में मिलाकर 10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करना चाहिए। परिपक्व होने पर फसल की कटाई की जानी चाहिए और फूल/फली बनने की अवस्था में सिंचाई करनी चाहिए।
गेहूँ	देर से बोई गई फसल में खरपतवार निकलने के लिए हाथ से निराई और गुड़ाई की जानी चाहिए या अनुशंसित प्रथाओं के अनुसार रासायनिक अनुप्रयोग किया जाना चाहिए। चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए 2,4-D 500g या मेटसल्फ्यूरान मिथाइल 4g की दर से 30-35 या 35-40 दिन बाद छिड़कना चाहिए। संकीर्ण पत्ते वाले खरपतवारों के लिए आइसोप्रोट्यूरान 1kg/सल्फोसल्फ़्यूरान 25g/क्लोडीनाफोप 60g का 30-35 दिनों के अंतराल पर छिड़काव किया जा सकता है। आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए
जौ	देर से बोई गई फसल की निगरानी की जानी चाहिए और 25-30 दिनों के अंतराल पर निराई-गुड़ाई की जानी चाहिए। आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए।
गन्ना	पेड़ी एवं शरदकालीन गन्ने की निगरानी की जानी चाहिए और उचित कृषि कार्यों का पालन किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। कोल फसलों में लीफ स्पॉट रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 75 डब्ल्यूपी का छिड़काव 2-3 बार करना चाहिए।
प्याज	प्याज की फसल की रोपाई जनवरी के पहले सप्ताह तक खाद वाले खेतों में पूरी कर ली जानी चाहिए।
सब्जी पीईए	निराई-गुड़ाई के साथ-साथ तना मक्खी एवं पत्ती सुरंगक कीट के लिए अनुशंसित रासायनिक अनुप्रयोगों का पालन किया जाना चाहिए।
टमाटर	रोग फैलाने वाले कीटों के लिए फसलों की नियमित जांच की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं के साथ नियंत्रित किया जाना चाहिए।
मिर्च	रोग फैलाने वाले कीटों के लिए फसलों की नियमित जांच की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं के साथ नियंत्रित किया जाना चाहिए।
आलू	आलू में लेट ब्लाइट रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव किया जाना चाहिए।
आम	गुजिया कीट को पेड़ पर चढ़ने से रोकने के लिए इस माह के अंतिम सप्ताह में पेड़ के तने को 40 सेमी ऊंचाई तक बारीक मिट्टी की परत से ढक देना चाहिए। पेड़ के तने को 400 गेज मोटी पॉलिथीन की 25 सेमी चौड़ी पट्टी से लपेटकर मजबूत रस्सी (सुतली) की मदद से बांध देना चाहिए। इसके साथ ही घुन को चढ़ने से बचाने के लिए निचले हिस्से में ग्रीस अवश्य लगाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।
गाय	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए।

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
	पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।